7. Describe Gopal Guru's approach towards reclaiming social justice.

सामाजिक न्याय को पुन: प्राप्त करने के प्रति गोपाल गुरु के दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 12788 **K**

Unique Paper Code : 2104001001

Name of the Paper : Constitutional Morality

Name of the Course : **Philosophy (G.E.)**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or in Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. उत्तर हिन्दी या अंग्रजी किसी एक माध्यम में लिखे जा सकते हैं । लेकिन सभी उत्तर एक ही माध्यम में होने चाहिए ।

1. Discuss the introduction of the book named *'Constitutionalism and Democracy.'*

   'संविधानवाद और लोकतंत्र' पुस्तक के परिचय पर चर्चा कीजिए ।

2. Explain Ambedkar's speech on third reading of the Draft Constitution mentioned in the 'Constituent Assembly Debates.'

   संविधान सभा की बहस में उल्लिखित संविधान के मसौदे के तीसरे वाचन पर अम्बेडकर जी के भाषण की व्याख्या कीजिए ।

3. Elaborate justifiable fundamental rights mentioned in the 'Constituent Assembly of India Debates.'

   'भारत की संविधान सभा की बहस' में उल्लिखित न्यायसंगत मौलिक अधिकारों का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

4. Elaborate Upendra Baxi's view on the 'Justice of Human Rights' mentioned in Indian Constitutionalism.

   भारतीय संविधानवाद में उल्लिखित 'मानवाधिकारों के न्याय' पर उपेन्द्र बकसी के दृष्टिकोण का विस्तार से वर्णन कीजिए ।

5. Discuss Shefali Jha's opinion on Rights versus Representation.

   अधिकार बनाम प्रतिनिधित्व पर शेफाली झा की राय पर चर्चा कीजिए ।

6. Critically evaluate Rajeev Bhargava's view on 'India's Secular Constitution.'

   'भारत के धर्मनिरपेक्ष संविधान' पर राजीव भार्गव के दृष्टिकोण का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।